बर्षः- 06
अंकः- 109
मुरादाबाद
(Saturday)
08 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

अंबेडकरनगर को सीएम योगी का तोहफा, गोविंद साहब मेला को घोषित किया राजकीय मेला;लोगों में दिखा उत्साह

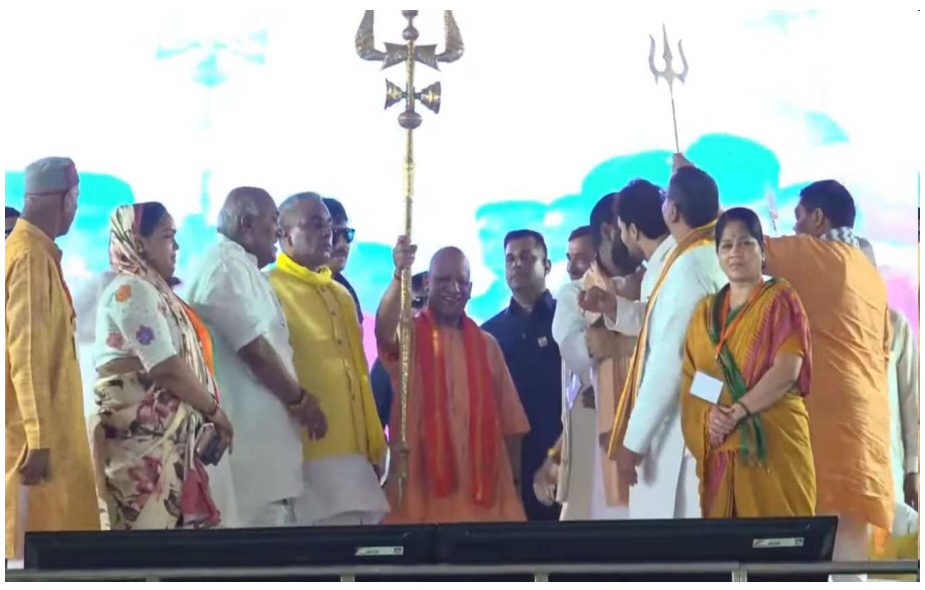

अंबेडकरनगर को सीएम योगी ने बड़ा तोहफा दिया। उन्होंने यहां लगने वाले गोविंद साहब मेला को राजकीय मेला घोषित किया। उनके एलान के बाद लोगों में खासा उत्साह दिखा।यूपी के अंबेडकरनगर में शुक्रवार को गोविंद साहब मेला परिसर में सीएम योगी आदित्यनाथ की जनसभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में पहुंचे सीएम ने सबसे पहले गोविंद साहब मठ में पूजा की। इसके बाद मंच पर पहुंचे। मंच से संबोधित करते हुए सीएम योगी ने गोविंद साहब मेले को राजकीय मेला घोषित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आने वाला गोविंद साहब मेला राजकीय मेले के रूप में आयोजित होगा। घोषणा होते ही कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों ने खुशी जताई।बताते चलें कि गोविंद साहब का मेला लंबे समय से क्षेत्र की प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान रहा है। राजकीय मेला घोषित होने के बाद इसके आयोजन और व्यवस्थाओं को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं। इस घोषणा से मेले के विकास और सुविधाओं के विस्तार का रास्ता खुलने की संभावना है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को गोविंद साहब मेला परिसर पहुंच गए। उन्होंने सबसे पहले गोविंद साहब मठ में पूजा-अर्चना की। इसके बाद जनसभा स्थल पर बनाए गए मंच पर पहुंचे। मंच पर पहुंचते ही एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय, कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव, पूर्व सांसद रितेश पांडेय समेत पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को त्रिशूल भेंट किया गया। एक माह तक लगता है मेला- गोविंद साहब मेला परिसर में शुक्रवार को आयोजित मुख्यमंत्री के जनसभा कार्यक्रम के दौरान कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद ने गोविंद साहब मेले को राजकीय मेला घोषित करने की मांग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने रखी। विधायक ने कहा कि गोविंद साहब का मेला काफी पुराना है। यहां करीब एक माह तक मेला लगता है। इसमें आसपास के गांवों के साथ दूर-दराज क्षेत्रों से भी हर वर्ग के लोग पहुंचते हैं।उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में दलित और निषाद समाज के लोग रहते हैं जिनके लिए गोविंद साहब मेला विशेष महत्व रखता है। उन्होंने मेले में मिलने वाले स्थानीय व्यंजन खजला का भी उल्लेख किया। विधायक ने गोविंद साहब स्थल के विकास के लिए कॉरिडोर निर्माण की घोषणा किए जाने की मांग भी मुख्यमंत्री के सामने रखी।पूर्व सांसद और भाजपा नेता रितेश पांडेय ने क्षेत्र के विकास से जुड़े कई मुद्दे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने रखे। उन्होंने जलालपुर शहर में बाईपास निर्माण और चहोड़ा घाट के पक्कीकरण की मांग की। रितेश पांडेय ने गोविंद साहब मेले को राजकीय मेले का दर्जा देने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब विकास के साथ अवसरों की भी धरती बन रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ पूरी की जा रही है। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर भी उन्होंने सरकार के प्रयासों का उल्लेख किया।

संक्षिप्त समाचार

चार साल की दुष्कर्म पीड़िता का इलाज करने से किया था इनकार, अब अस्पताल भरेंगे 12 लाख जुर्माना

सुप्रीम कोर्ट ने दो निजी अस्पतालों को चार वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को समय पर इलाज न देने के लिए जिम्मेदार मानते हुए उसके पिता को कुल 12 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। अदालत ने संकेत दिया कि वह गंभीर अपराधों के पीड़ितों के इलाज और जांच को लेकर अस्पतालों एवं पुलिस के लिए व्यापक दिशानिर्देश भी जारी करेगी।सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को गाजियाबाद के दो निजी अस्पतालों को चार वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता की मौत के मामले में उसके परिवार को क्रमशः 10 लाख रुपये और 2 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया। अदालत ने माना कि दोनों अस्पतालों ने बच्ची को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं कराई, जिससे उसकी जान चली गई। सर्वोच्च अदालत ने यह भी कहा कि वह गंभीर अपराधों के पीड़ितों के उपचार और ऐसे मामलों की जांच के दौरान अस्पतालों तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों की जिम्मेदारियों को लेकर व्यापक दिशानिर्देश जारी करेगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ इस मामले से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी। दल (एसआईटी) की रिपोर्ट का संज्ञान लिया। रिपोर्ट में कहा गया कि बच्ची गंभीर रूप से घायल होने और लगातार खून बहने के बावजूद लगभग पांच घंटे तक जीवित थी, लेकिन संबंधित अस्पतालों ने उसे आवश्यक चिकित्सा सहायता देने से इनकार कर दिया

'PDA का मतलब, पीट देगा अहीर-पीट देगा अल्पसंख्यक, ओपी राजभर का सपा पर तीखा हमला

अंबेडकरनगर में सीएम योगी के कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री ओपी राजभर ने सपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि PDA का मतलब, पीट देगा अहीर-पीट देगा अल्पसंख्यक है। पेपर लीक और कानून व्यवस्था को लेकर भी निशाना साधा। योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के पीडीए समीकरण पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सपा के राजनीतिक नारे पर तंज कसते हुए कहा कि पीट देगा अहीर, पीट देगा अल्पसंख्यक। सपा जिस पीडीए की बात कर रही है, उसमें परिवारवाद हावी है। प्रभारी मंत्री ने सपा नेताओं के पेपर लीक के आरोपों पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि आज सपा के नेता दिल्ली से लेकर उत्तर प्रदेश तक पेपर लीक की बात कर रहे हैं। जबकि, उनकी सरकार के समय परीक्षाओं में नकल का बोल-बाला था। उस दौर में प्रश्नपत्र खरीदकर खेतों में बैठकर परीक्षा लिखने और पेपर लेकर घर चले जाने तक की बातें सामने आती थीं। बिना रिश्वत लिए करीब 09 लाख सरकारी नौकरियां दी गईं ओमप्रकाश राजभर ने आरोप लगाया कि सपा सरकार के दौरान पार्टी के नेता गांव-गांव घूमकर नौकरियां बेचने का काम करते थे। आज वही लोग भर्ती प्रक्रिया और पेपर लीक को लेकर सवाल उठा रहे हैं। वर्तमान में सरकार की भर्ती प्रक्रिया का जिक्र करते हुए दावा किया कि बिना रिश्वत लिए करीब 09 लाख सरकारी नौकरियां देने का काम किया गया है। राजभर ने सपा सरकार की कानून व्यवस्था पर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि सपा सरकार के पांच साल में प्रदेश में करीब एक हजार दंगे हुए, जबकि योगी सरकार के 09 साल में एक भी दंगा नहीं हुआ। सपा सरकार में असलहे लहराने वाले अपराधियों पर अब कार्रवाई हुई है। कई अपराधी जेल में हैं। बाकी अपराधी या तो ऊपर चले गए हैं या फिर नीचे। रोजगार और कानून व्यवस्था पर काम हुआ-प्रभारी मंत्री ने सपा को परिवारवादी पार्टी बताते हुए कहा कि वह पिछड़ों के अधिकार की बात तो करती हैं, लेकिन सपा पिछड़ों का हक प्रभावित करती रही है। भाजपा सरकार में विकास के साथ रोजगार और कानून व्यवस्था पर भी काम हुआ है। यही नहीं राजभर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोविंद साहब पहुंचने को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया। कहा कि अब तक कोई मुख्यमंत्री यहां नहीं आया था। साहब स्थल पर कॉरिडोर निर्माण की मांग को प्रमुखता से उठाया। आलापुर तहसील मुख्यालय पर 100 शैय्या का राजकीय चिकित्सालय बनाने और रामनगर को नगर पंचायत का दर्जा देने की मांग की। उन्होंने जलालपुर शहर में जाम की समस्या को देखते हुए बाईपास निर्माण और शहर में बस अड्डा स्थापित करने की मांग भी रखी। नार्थ-साउथ कॉरिडोर के तहत प्रस्तावित टांडा-बरियावन-सुल्तानगढ़-पट्टी सुरहुरपुर मार्ग को फोरलेन करने की मांग की। जलालपुर में राजकीय महाविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव भी रखा गया। इसके अलावा टांडा विधानसभा क्षेत्र में टेक्सटाइल पार्क स्थापित करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, यातायात और रोजगार से जुड़ी सुविधाओं को विस्तार मिल सकता है।

वृंदावन की भक्ति में ऐसी रमीं उमा भारती, बोलीं- यहीं रहूंगी और यहीं बने मेरी समाधि

ब्रज चौरासी कोस यात्रा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने वृंदावन में स्थायी रूप से रहने और जीवन का अंतिम समय यहीं बिताने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि उनकी अंतिम इच्छा है कि मृत्यु के बाद उनकी समाधि भी वृंदावन में ही बने। प्रवास के दौरान दांत में दर्द होने पर उन्होंने रामकृष्ण सेवाश्रम में उपचार कराया। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता उमा भारती ने कहा कि ब्रज चौरासी कोस यात्रा के दौरान उनके मन में वृंदावन में स्थायी रूप से रहने का भाव जागा था। उन्होंने कहा कि यदि अवसर मिला तो वह वृंदावन में ही अपना शेष जीवन बिताना चाहेंगी और उनकी इच्छा है कि अंतिम समय के बाद उनकी समाधि भी वृंदावन में ही बने।उमा भारती ने बताया कि इन दिनों वह कथावाचक विजय कौशल महाराज के आश्रम में रह रही हैं। उन्होंने कहा कि आश्रम का वातावरण अत्यंत शांत और आध्यात्मिक है, जहां उन्हें आनंद और आत्मिक शांति का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी वह लगातार वृंदावन आती रहेंगी।वृंदावन प्रवास के दौरान उमा भारती को दांत में दर्द की समस्या हो गई। इसके बाद वह उपचार के लिए रामकृष्ण सेवाश्रम पहुंचीं, जहां चिकित्सकों ने उनका स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार किया। उपचार के बाद उनकी स्थिति सामान्य बताई गई।

Gen Z पर सियासत?: युवाओं को आपसे प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं, मोहन भागवत के कार्यक्रम के बाद बोलीं प्रियंका

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के युवाओं को उनसे किसी प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है। कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे और सपा सांसद राम गोपाल यादव ने भी आरएसएस और भाजपा पर हमला बोलते हुए उनकी विचारधारा और युवाओं को लेकर राजनीति पर सवाल उठाए।कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर निशाना साधा। उन्होंने भागवत की जेन जी और जेन अल्फा के साथ हुई बातचीत के बाद कहा कि देश के युवाओं को उनसे किसी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है। प्रियंका गांधी ने क्या कहा? - संसद परिसर के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा, उन्हें आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जी से प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है।उनकी ये टिप्पणी आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा मुंबई के नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र (एनएमएसीसी) में आयोजित एक सत्र के दौरान जेन जेड और जेन अल्फा के साथ बातचीत करने के एक दिन बाद आई है।इससे पहले दिन में, कर्नाटक के मंत्री और कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे ने भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा पर निशाना साधता। उन्होंने एक्स के एक पोस्ट में लिखा, %आरएसएस और भाजपा अपनी शब्दावली को तेजी से अपडेट कर रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, इससे उनकी विचारधारा नहीं बदलेगी। सच्चाई वही है - लोगों को बांटना, युवाओं को गुमराह करना और नफरत को नए रूप में पेश करना। संघ वही है, बस उसकी भाषा बदल गई है।इसके अलावा, समाजवादी पार्टी (एसपी) के सांसद राम गोपाल यादव ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की जेनरेशन जी और जेनरेशन अल्फा के साथ बातचीत को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी जब भी खुद को पूरी तरह से घिरी हुई पाती है, तब आरएसएस की ओर रुख करती है।पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा, चूंकि भाजपा सरकार को जेनरेशन जेड से चुनौती मिल रही है, तो क्या उन्हें स्थिति संभालने के लिए मोहन भागवत को भेजना चाहिए? जब भी वे खुद को पूरी तरह से घिरा हुआ पाते हैं, तो वे उनकी ओर रुख करते हैं, उनसे समाधान खोजने या उनकी ओर से बोलने के लिए कहते हैं।

डीए की मांगः पंजाब के कर्मचारी-पेंशनर्स का हल्ला बोल, विधानसभा घेराव के लिए बढ़े;पुलिस ने चलाई वाटर कैनन

कर्मचारी नेताओं ने कहा कि लंबे समय से डीए की मांग की जा रही है, लेकिन सरकार द्वारा उनकी मांगों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा।पंजाब सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों को महंगाई भत्ता (डीए) नहीं दिए जाने के विरोध में शुक्रवार को हजारों कर्मचारी और पेंशनर चंडीगढ़ सेक्टर 39 की अनाज मंडी में आयोजित रैली में पहुंचे। रैली में कर्मचारियों ने डीए और ओल्ड पेंशन स्कीम के लिए आवाज बुलंद की। रैली के लिए पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। वहीं कई जगह ट्रैफिक भी डायवर्ट किया गया है।प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने विधानसभा की तरफ कूच किया तो पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल कर उन्हें रोका। वहीं कर्मचारियों के प्रदर्शन के चलते रास्तों पर भीषण जाम लगा रहा, जिससे वाहन चालकों को परेशानी हुई। स्कूल से छुट्टी के समय बच्चों को लेने पहुंचे अभिभावकों को लंबा रास्ता तय करना पड़ा। इस दौरान कर्मचारियों ने सरकार की नीतियों और कथित टालमटोल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि लंबे समय से डीए की मांग की जा रही है, लेकिन सरकार द्वारा उनकी मांगों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा। कर्मचारी नेता रविंदर लूथरा ने सरकार पर वादाखिलाफी के आरोप लगाते हुए कहा कि यदि उनकी मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया

तो संघर्ष को और तेज किया जाएगा।अमृतसर में लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ चंडीगढ़ में राज्य स्तरीय रैली में सामूहिक छुट्टी लेकर गए मुलाजिमों की गैर-मौजूदगी के कारण शुक्रवार को अमृतसर तहसील और पटवारखाने में ताले देखने को मिले। रोजाना के मुकाबले तीन तहसीलों में बाद दोपहर तक सिर्फ 70 के करीब रजिस्ट्रियां ही हो सकी। जिसका सीधा असर सरकार के राजस्व को पड़ा, हालांकि रूटीन में तीनों तहसीलों में 250 के करीब रजिस्ट्री होती थी। उधर, मुलाजिमों की हड़ताल के समर्थन में गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी के नॉन-टीचिंग स्टाफ ने भी यूनिवर्सिटी में कोई काम नहीं किया।

अमृतसर डीड राइटर्स एसोसिएशन के एडवोकेट अरविंदर कुमार ने बताया कि हड़ताल के कारण दूर-दराज के गांवों से आने वाले लोगों को पटवारखाने से जमाबंदी और इंतकाल करवाने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा। डीसी दलविंदर जीत सिंह ने बताया कि हड़ताल के कारण लोगों को परेशानी न आए, इसके लिए अफसरों की छुट्टी रद्द करके उन्हें दफ्तरों में सुबह 9 बजे पहुंचने की हिदायत दी गई थी। अफसरों ने क्लेरिकल स्टाफ की गैर-मौजूदगी में खुद काम किया।

संपादकीय Editorial

For Financial Oversight

Himachal Pradesh is now shifting its position in the face of reforms. A draft to establish a State Finance Corporation to oversee public sector undertakings has been approved. This means that all public sector undertakings will be able to manage financial discipline, their accounting, and transactions under this corporation. Currently, all public sector undertakings have been clients of different banking systems, with their own financial arrangements. However, the formation of the proposed corporation will create a single financial bank for the entire financial system. Clearly, such a cost-effective measure will foster a disciplined system, while establishing a consistent pattern, accountability, and transparency in the financial transactions of the 23 undertakings. This could be an attempt to mend a shaky foundation and strengthen the state's economic structure. Certain practices, which are being carried out covertly, are also responsible for the losses of public sector undertakings. Consequently, the profit and loss accounts are constantly circulating under various banks, each operating in its own way. The operation of a centralized financial corporation could foster a healthy tradition of reporting, monitoring, and accounting.

This appears necessary because 13 out of 23 enterprises are operating in losses, and this would foster new accountability by taking into account the efforts of profit-making corporation boards. Reflecting a similar demand for systemic change in the state, the governmentalization of many temples also necessitates revision of financial regulations. Currently, the accounts of temple income and expenditure are maintained separately, and different temple trusts operate according to their own discretion. This has led to arbitrary accounting and budgeting processes. Questions about the future of religious towns from temple income remain unanswered. Although the Dhumal government formed a committee headed by K.C. Sharma (IAS) to manage temples, no action has been taken on either structural or financial reforms. In fact, just as the government finance company is making promises in line with financial reforms for public enterprises, the formation of a centralized trust or Temple Development Authority is necessary to oversee the financial, administrative, developmental, and budgetary systems of government-owned temples, ensuring uniformity in expenditures, stability within a common cadre, and establishing models for development. A long-term vision for temple development will also increase temple income. If Vaishno Devi, Shirdi Baba, or the temples of the South are each generating incomes of two to two and a half thousand crore rupees, then half a dozen of our major temples could collectively reach incomes of five thousand crore rupees. Similarly, if a government Real Estate Management Authority is established for public buildings and employee housing, the properties can be utilized more efficiently and economically.

How to Improve Cities

The long-term benefits in the form of improved economic productivity and reduced healthcare burden will far outweigh the initial capital cost. Infrastructural deficiencies in urban sewage systems are a serious problem. A universal sewage network requires phased investment. Improvement is possible only through political will and citizen participation. Rainfall in India exposes familiar contradictions. This creates a dilemma: whether to celebrate the rains or lament the conditions that follow.

We must accept with shame the fact that our cities are among the world's dirtiest. A major reason for this state of cities is the infrastructural deficiencies in their sewage systems. Less than half of most cities and towns are connected to the sewage network. In many areas, sewage lines and pipe connections are missing. Treatment capacity is extremely low. Untreated sewage and industrial waste continue to flow into stormwater drains designed to drain rainwater. These open drains eventually flow into rivers, making it difficult to distinguish between rivers and drains. In this context, major government initiatives have been undertaken through schemes like "Namami Gange," which aim to treat sewage before it reaches the river. While this may help reduce pollution at river mouths, the risks associated with open sewage flowing throughout the city remain. This leads to air, water, and soil contamination, along with an endless stream of bacterial, fungal, and mosquito-borne diseases.

In this context, achieving freedom from open defecation seems far from reality. The problem is clear, the solution is straightforward, but our collective apathy is deeply troubling. Don't we deserve livable and clean cities?

This is impossible without sewage treatment. The time has come for the country to actively strive towards a universal sewage network. This cannot happen overnight, but steps must be taken. We need a phased approach, starting with the top 100 cities, considered engines of growth, and then expanding it systematically to all urban and rural settlements. Lack of financial resources is often cited as a barrier to this, but in public discourse, clarity is more important than the occasional uproar. In this context, consider a policy example from a Tier-2 or Tier-3 city, where the sewage network covers less than half the area. Estimates suggest that upgrading it to 100% standards would require an average initial investment of ?5,000 crore.

This would entail the development of an integrated drainage system, where dedicated pipelines would cover the entire city and transport all sewage to designated treatment facilities, where it could be recycled or safely disposed of. The central, state, and local bodies share the responsibility for these costs, as with all sanitation initiatives. The combined annual expenditure of these three levels of Indian governance is approximately ?100 lakh crore. Laying an underground network on such a scale would take at least five years. If we look at the top 100 economically important cities alone, fully sewering them would require approximately ?5 lakh crore in capital, to be spent over a five-year period. This amount represents approximately 5 percent of total public expenditure in a single year and just 1 percent of total government expenditure over five years.

If the entire Indian administrative system allocated just 1 percent of its annual expenditure to sewerage infrastructure in these cities, achieving this broad target within five years would be feasible. While land acquisition and bureaucratic conflicts between municipal agencies pose significant practical challenges, the basic financial math is entirely feasible and possible. Currently, three-quarters of India is ruled by the same party coalition at the center and in the states, known as the "double-engine government," while its power in many municipal bodies is often called the "triple-engine government." So, why can't cities be transformed? Is the obstacle a lack of resources or a lack of political will? Public policy should often strive to identify the areas with the greatest impact. This can be understood through the Pareto Principle. According to Italian economist Valfrodo Pareto, approximately 80 percent of results come from just 20 percent of key factors.

This means that if you target the right 20 percent of factors, you can improve 80 percent of results. Sanitation is undoubtedly one of the most high-impact fundamental factors. It has a direct positive impact on the daily quality of human life and human development indicators. The long-term benefits in the form of improved economic productivity and reduced healthcare burden will far outweigh the initial capital cost. Strong governance must have five key pillars: education, health, infrastructure, law and order, and widespread sanitation. The dream of transforming from a developing nation and society into a developed one will be impossible unless we achieve world-class standards in these areas. Foreign capital, private investment, and domestic productivity have a deep and systemic relationship with all these aspects. In a highly competitive electoral democracy, infrastructure projects often take shape over a long period of time, rather than being implemented in a short period of time. Priority is given to short-term populist measures that yield quick political gains. It is the responsibility of citizens to guide this debate and bring public priorities back into perspective. This centuries-old mess cannot be cleaned up without full institutional accountability and deep community engagement.

The rule is: Where there is construction, there is corruption.

Corruption is a disease that is growing with time. Corruption is not limited to construction projects; it has also spread to government procurement. The Lucknow-Kanpur Expressway has collapsed five times since its inauguration, exposing corruption and poor quality in construction. Questions are raised about the quality of infrastructure construction in the country. The Lucknow-Kanpur Expressway was inaugurated on July 13th. It is a new six-lane elevated road, costing ?4,200 crore. Since its inauguration, the road has caved in at least five times at various locations. The situation is such that while the construction agency repairs the road in one place, a defect appears in another. It is difficult to say how long this trend will continue, but the way this road is repeatedly sinking, it can be said without any ifs and buts that its construction is of poor quality. If a newly constructed road collapses five times within 20 days of its inauguration, what other option is there but to conclude that there has been massive corruption in its construction? This isn't an ordinary road. It's an expressway. The one-way toll for cars on this 63-kilometer-long expressway is set at ?275. The toll per kilometer is approximately ?4.37. This has led to it being called the most expensive expressway in the country. Since the repeated collapses on this expressway were embarrassing the National Highways Authority of India, an investigation was ordered, and three engineers were suspended pending the completion of the investigation. Suspensions are futile. Furthermore, companies guilty of substandard construction are often blacklisted, often changing their names and starting new projects. This isn't the first such case that speaks volumes about shoddy construction; such cases keep coming to light. They are more frequent during the rainy season. It's no secret that reports of roads collapsing and breaking are pouring in from across the country these days. Some of these road damages are due to heavy rainfall, but most roads are collapsing due to even minor rainfall. This is because corruption has become an unwritten rule in construction. This corruption is leading to substandard construction of roads, bridges, and government buildings. Such construction leads to reports of roads caving in, bridges damaged, or government buildings leaking or flooding during the first rains. The goal of developing the country is now 21 years away. Time will tell whether India will be able to match developed countries by 2047. But for now, it's worth noting how the infrastructure, which plays a crucial role in developing a country, is being built. Undoubtedly, a lot is being built in the country, such as roads, bridges, airports, bus stations, metro networks, railway stations, etc., but is all this progressing at a rapid pace? It can be said that the pace of construction is relatively faster than before, but it is difficult to say whether it is actually happening at a fast pace. Even more difficult is to say whether the quality of construction work is world-class and reliable. If the answer to this question were yes, then there would not be a series of sinking of newly built roads, damage to bridges, and even collapse. This suggests that substandard construction is taking place everywhere. In our country, the infrastructure built during the British era remains intact, but the infrastructure built by our own people is proving to be obsolete. The situation is such that bridges are collapsing even before their inauguration. At the root of substandard construction is corruption. As the rates of commission-taking are increasing, so too are the cases of substandard construction work. Wherever construction is taking place, it is not complete without corruption. Corruption finds its way into every government project. Indeed, it would be more appropriate to say that the foundation of every government project is laid with the bricks and mortar of corruption. Corruption is a disease that is growing with time. Corruption is not limited to construction; it has also spread to government procurement. The flourishing corruption.

अमरोहा में दर्दनाक हादसा: निर्माणाधीन मकान का लिंटर भरभराकर गिरा, मां-बेटे समेत तीन की मौत, छह लोग घायल

ताजपुर डूंगर में बृहस्पतिवार को निर्माणाधीन मकान का लिंटर गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। छह घायल हुए। मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की सहायता मिलेगी।यूपी के अमरोहा जिले के थाना क्षेत्र के गांव ताजपुर डूंगर में बृहस्पतिवार दोपहर किसान के निर्माणाधीन मकान का लिंटर अचानक भरभराकर गिर गया, जिससे उसके नीचे बैठे परिवार के लोग और रिश्तेदार मलबे में दब गए।

हादसे में किसान की बेटी मीना (26), नाती जसप्रीत (02) और सास सुमरती (65) की मौत हो गई जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में चीख-पुकार मच गई और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।गांव निवासी किसान मुरारी अपने खेत में नया मकान बनवा रहे थे। बृहस्पतिवार दोपहर करीब तीन बजे मकान के लिंटर की ढलाई पूरी हुई थी। इसी दौरान बारिश शुरू हो गई, जिससे परिवार के सदस्य और रिश्तेदार बचाव के लिए निर्माणाधीन मकान के लिंटर के नीचे बैठकर खाना खाने लगे। तभी अचानक लिंटर भरभराकर नीचे गिर पड़ा और सभी उसके मलबे में दब गए।हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर दौड़ पड़े और बचाव कार्य शुरू किया।

कड़ी मशक्कत के बाद मलबे में दबे नौ लोगों को बाहर निकाला गया। हादसे में मुरारी की बेटी मीना, दो वर्षीय नाती जसप्रीत और सास सुमरती की मौत हो गई। वहीं दामाद शिव कुमार, नाती नवीन, ससुर केशवराम, बेटा प्रशांत, भतीजा शिवम और ग्रामीण रवि घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पांच-पांच लाख की मिलेगी सहायता सूचना पर डीएम डॉ. नितिन गौड़ और एसपी लखन सिंह यादव मौके पर पहुंचे।

अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़ित परिवार से मुलाकात की और हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। डीएम ने बताया कि मृतकों के परिजनों को किसान दुर्घटना बीमा योजना के तहत पांच-पांच लाख रुपये की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।सभी एसडीएम को बरसात के मौसम में किसी भी मकान का लिंटर नहीं डालने देने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए सभी लेखपालों को अपने-अपने क्षेत्र में निगरानी करने के लिए कहा है।

सांसद बर्क ने आयोग की रिपोर्ट पर उठाए सवाल, कहा- जान हमारी गई, अपराधी भी हम ही साबित हो रहे

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क, मोहिबुल्ला नदवी और विधायक इकबाल महमूद ने संभल बवाल की न्यायिक जांच रिपोर्ट पर सवाल उठाए। उन्होंने पुलिस की भूमिका पर भी गंभीर आरोप लगाए।सांसद एवं सपा नेता जियाउर्रहमान बर्क ने संभल बवाल में न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट और पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि बवाल में जान हमारी गई और अपराधी भी हम ही साबित हो रहे हैं।

बोले, न्यायिक जांच आयोग के गठन पर उम्मीद थी कि संभल के लोगों को न्याय मिलेगा लेकिन यह उम्मीद भी टूट गई। सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार में जो भी न्यायिक जांच आयोग गठित किए जाते हैं, वह इसी तरह की गलत रिपोर्ट तैयार देते हैं।बृहस्पतिवार को संभल में दीपा सराय स्थित अपने आवास पर सांसद बर्क ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि तब पुलिस ने गोली चलाई थी। हमारे पांच निहत्थे भाइयों की जान ली गई थी। यह जुल्म की इंतेहा है। सौ से ज्यादा निर्दोष लोग जेल भेजे गए। इन लोगों के घरों में दूसरा कोई खाने कमाने वाला तक नहीं है। पुलिस पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि प्रशासन के साथ बवाल के दिन भी पूरा सिस्टम था। ड्रोन से वीडियो बन रही थी। इसके बाद भी अब तक पुलिस-प्रशासन द्वारा कोई फोटो या वीडियो ऐसा नहीं दिखाया गया है, जिसमें आम लोगों के हाथ में हथियार दिख रहा हो या कोई गोली चला रहा हो। आम लोगों के हाथ में कोई हथियार नहीं था। इसके बाद भी हमारे लोगों को ही अपराधी बना दिया गया। यह जुल्म की इंतेहा है।

रामपुर के सांसद बोले, राजनीतिक रंजिश में शामिल किए नेताओं के नाम

संभल। रामपुर के सांसद एवं सपा नेता मोहिबुल्ला नदवी ने कहा है कि सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल का नाम राजनीतिक रंजिश में शामिल किया गया है। नदवी ने बृहस्पतिवार को दिल्ली में मीडिया से बातचीत की, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि संभल बवाल में पुलिस ने जो गोली चलाई थी, उसमें पांच लोगों की जान गई थी। जनप्रतिनिधियों का काम लोगों को राह दिखाना होता है किसी को उकसाना नहीं होता है।

सेवानिवृत्त लोगों ने सरकार के मन की रिपोर्ट तैयार की: विधायक- संभल के विधायक एवं सपा नेता इकबाल महमूद का कहना है कि हम सेवानिवृत्त कर्मचारियों के आयोग को न्यायिक जांच आयोग नहीं मानते हैं। यह सरकार के सेवानिवृत्त लोग थे, जिन्होंने सरकार के मन की रिपोर्ट तैयार की है। बृहस्पतिवार को सपा विधायक ने न्यायिक जांच आयोग की सदन में पेश की गई रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि न्यायिक जांच आयोग की अध्यक्षता मौजूदा जज द्वारा की जानी चाहिए थी। तभी पूरी घटना का सच सामने आता। उन्होंने कहा कि संभल से न हिंदुओं का पलायन हुआ और न किसी मंदिर पर कब्जा किया गया था। दो-तीन विवाद जरूर हुए हैं।1978 के दंगे में नौ लोगों की जान गई थी। विधायक ने आगे कहा कि सीएम को भी गलत जानकारी दी गई है। वह 1978 के दंगे में बड़ी संख्या में लोगों की हत्या की बात कहते हैं, जबकि उनको सदन में मेरे द्वारा ही बताया गया था कि तब नौ लोगों की जान गई थी। यदि ज्यादा लोगों की जान गई है तो सरकार साबित करे।

दूसरों की जान बचाने वाले स्नेक कैचर को सांप ने डसा, तड़प कर तोड़ा दम

शाहबाद क्षेत्र में सांप पकड़ने वाले एक 38 वर्षीय युवक की सर्पदंश से मौत

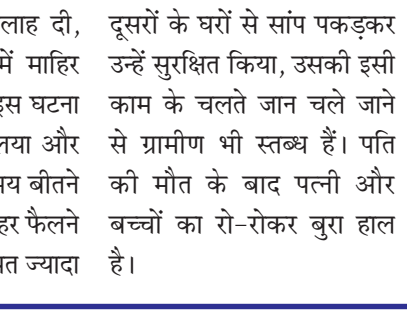

रामपुर में सांप पकड़ने वाले 38 वर्षीय राजेश की लापरवाही के चलते सांप के डसने से मौत हो गई। घर लाए गए कट्टे में बंद सांप को देखने के दौरान सांप ने उन्हें डस लिया था। सांप पकड़कर लोगों को दहशत से निजात दिलाने वाले एक माहिर युवक की खुद सांप के डसने से मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना शाहबाद क्षेत्र के ग्राम रवाना पट्टी जवाहर में शुक्रवार सुबह घटी। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार, ग्राम रवाना पट्टी जवाहर निवासी 38 वर्षीय राजेश लंबे समय से सांप पकड़ने का काम करते थे। बताया जा रहा है कि राजेश किसी अन्य गांव से एक सांप पकड़कर उसे कट्टे (बोरी) में बांधकर अपने घर लाए थे। शुक्रवार सुबह करीब 6-30 बजे उन्होंने कट्टा खोलकर सांप को देखने का प्रयास किया। इसी दौरान कट्टे के अंदर मौजूद सांप ने अचानक राजेश के हाथ में डस लिया।लापरवाही पड़ी भारी, बिगड़ी तबीयत तो भागे अस्पताल-सांप के डसने के बाद परिजनों ने राजेश को तत्काल अस्पताल जाने की सलाह दी, लेकिन सांप पकड़ने में माहिर होने के कारण उन्होंने इस घटना को गंभीरता से नहीं लिया और घर पर ही रहे। कुछ समय बीतने के बाद जब शरीर में जहर फैलने लगा और उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने लगी, तब परिजनों के हाथ-पांव फूल गए। आनन-फानन में 108 एंबुलेंस को बुलाया गया और उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद राजेश को मृत घोषित कर दिया। बिलखता रह गया परिवार- राजेश अपने पीछे अपनी पत्नी और पांच बच्चों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। जिस व्यक्ति ने हमेशा दूसरों के घरों से सांप पकड़कर उन्हें सुरक्षित किया, उसकी इसी काम के चलते जान चले जाने से ग्रामीण भी स्तब्ध हैं। पति की मौत के बाद पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मुठभेड़ में पशु तस्कर के पैर में लगी गोली, तमंचा और पशु काटने के उपकरण बरामद

रामपुर के स्वार में पुलिस एनकाउंटर, जवाबी फायरिंग में गोतस्कर के पैर में लगी गोली

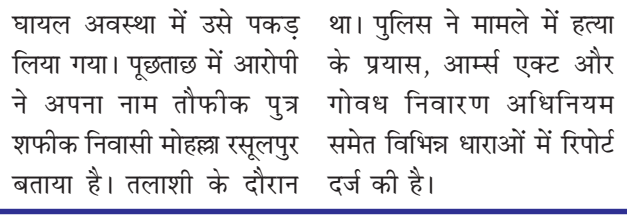

रामपुर के स्वार में कोसी नदी के पास जंगल में पुलिस और गोतस्कर के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पशु तस्कर के पैर में गोली लगी है। मौके से तमंचा, कारतूस और पशु काटने के उपकरण बरामद किए गए हैं।कोतवाली पुलिस ने गुरुवार की रात कोसी नदी के किनारे जंगल में मुठभेड़ के बाद एक गोतस्कर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी।जिसके बाद उसे उपचार के लिए सीएचसी और फिर जिला अस्पताल रेफर किया है। मौके से एक तीन सौ पन्द्रह बोर का तमंचा, कारतूस, मोबाइल फोन और पशु काटने के उपकरण बरामद कर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।कोतवाल अनुपम शर्मा गुरुवार की रात पुलिस टीम के साथ गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर ने कोतवाल को सूचना दी कि एक व्यक्ति निराश्रित गोवंशीय पशुओं को पकड़कर जंगल के रास्ते ले जाकर उनका वध करता है। सूचना पर पुलिस ने कोसी नदी के किनारे गांव रुस्तमनगर के पास घेराबंदी की। वहां एक युवक बाइक के पास बैठा दिखाई दिया।

पुलिस के नजदीक पहुंचते ही उसने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की जिसमें आरोपी के दाहिने पैर में गोली लग गई। घायल अवस्था में उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम तौफीक पुत्र शफीक निवासी मोहल्ला रसूलपुर बताया है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक तीन सौ पन्द्रहक्षबोर का तमंचा, दो जीवित कारतूस, एक खोखा कारतूस, मोबाइल फोन और नकदी बरामद हुई। वहीं घटनास्थल के पास से पशु काटने में प्रयुक्त कुल्हाड़ी और लकड़ी का गुटका आदि बरामद कोतवाली ले आई।आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह साथियों के साथ निराश्रित गोवंशीय पशुओं को पकड़कर सुनसान स्थानों पर ले जाकर उनका वध करता था तथा मांस बेचकर आर्थिक लाभ कमाता था। पुलिस ने मामले में हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट और गोवध निवारण अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।

संक्षिप्त समाचार

12वीं वार्षिक शब्बेदारी मजलिस के अज़ादारों से शिरकत की अपील

क्यूँ न लिखूँ सच /सिकंदर रजा / मुरादाबाद । इमाम-ए-मेहदी यूथ मिशन मुरादाबाद की 24 सफर (8 अगस्त आयोजित 12वीं वार्षिक मजलिस के वार्ता गई। प्रेस वार्ता बताया कि

(रजि.) ओर से आगामी 1448 हिजरी 2026) को होने वाली शब्बेदारी संबंध में प्रेस आयोजित की में आयोजकों ने कार्यक्रम में ख़तािब मौलाना अली हैदर नूरी (इमाम-ए-जुमा, मुरादाबाद) फरमाएंगे। निज़ामत के फ़राइज़ जनाब शरफ़ सिरसवी साहब अंजाम देंगे, जबकि मर्सिया जनाब ख़ावर साहब पेश करेंगे। मजलिस में देश के प्रसिद्ध नौहाख्वान जनाब खुर्रम वसीम ज़ैदी (मुज़फ्फरनगर) एवं जनाब अर्शी आबदी नौगांववी अपने पुरसोज़ कलाम पेश करेंगे। मातमी अंजुमनों में अंजुमन अली इब्ने अबू तालिब (मुरादाबाद), अंजुमन गुंचा-ए-पंजेतनी (शेरकोट), अंजुमन गुलामान-ए-हुसैनी (रजि.), रामपुर, तथा अंजुमन-ए-पंजेतनी (सिरसी सादात) अपनी शानदार मातमी पेशकश करेंगे। आयोजकों ने मुरादाबाद एवं आसपास के जनपदों के समस्त मोमिनीन, अज़ादारान-ए-हुसैन (अ.स.) और मातमी अंजुमनों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शिरकत कर इमाम हुसैन (अ.स.) और शोहदाए कर्बला को पुरसा पेश करें तथा इस अज़ीम धार्मिक आयोजन को सफल बनाएं।

बेडमिंटन टेबिल टेनिस प्रतियोगिता मे si श्री दीन दयाल तिवारी जी को ससम्मानित किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / युसूफ / पुलिस लाइन मुरादाबाद में दिनांक 23.07.2026 स 26.07.2026 तक आयोजित 43वीं उ0प्र0 पुलिस वार्षिक बैडमिंटन क्लस्टर (बैडमिंटन/ टेबिल टेनिस) प्रतियोगिता

वर्ष-2026 में जीआरपी लाइन मुरादाबाद में नियुक्त SI(AP) श्री दीन दयाल तिवारी ने बैडमिंटन डबल 50+ में प्रथम, बैडमिंटन डबल 55+ में प्रथम, बैडमिंटन डबल 45+ में तृतीय, बैडमिंटन सिंगल 50+ में द्वितीय व टेबिल टेनिस डबल 40+ में तृतीय स्थान प्राप्त कर 02 गोल्ड, 01 सिल्वर एवं 02 ब्रॉन्ज सहित कुल 05 मेडल अर्जित किए। इस उपलब्धि पर #SRPMoradabad श्री आशुतोष शुक्ला द्वारा 3500/- की नगद पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित एवं उत्सावर्धन किया गया।

संभल में रहटोल के पास नहर कटी, सैकड़ों बीघा फसल जलमग्न, चार घंटे तक चली धार रोकने की जद्दोजहद

मध्य गंगा नहर का पानी पहुंचने के जश्न में डूबे थे किसान, नहर कटने की खबर ने कर दिया परेशान ट्रायल के दौरान संभल ब्लॉक के गांव रहटोल के पास नहर में करीब आठ फीट चौड़ा कटान हो गया, जिससे तेज बहाव के साथ पानी आसपास के खेतों में घुस गया। इससे सैकड़ों बीघा धान और गन्ने की फसल जलमग्न हो गई। किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। वर्षों के इंतजार के बाद मध्य गंगा नहर का पानी संभल जिले में पहुंचने की खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी। ट्रायल के दौरान संभल ब्लॉक के गांव रहटोल के पास नहर में करीब आठ फीट चौड़ा कटान हो गया, जिससे तेज बहाव के साथ पानी आसपास के खेतों में घुस गया। इससे सैकड़ों बीघा धान और गन्ने की फसल जलमग्न हो गई। किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। मध्य गंगा नहर की कई ऐसी शाखाओं में पानी छोड़ा जा रहा है। ऐसी ही एक नहर में ट्रायल के तौर पर बिजनौर कैनाल से पानी छोड़ा गया। पानी अमरोहा की सीमा पार कर बुधवार को संभल जिले में प्रवेश किया था।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

हरिद्वार से गंगाजल लेकर पदयात्रा पर कांवरिये, 11 को होगा जलाभिषेक

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली फतेहगंज पश्चिमी। कस्बा में कांवरिया सेवादल भंडारे कैम्प से इस बार कांवरियों का जत्था हरिद्वार और गढ़गंगा से गंगाजल लाकर बरेली नाथनगरी, गोला गोकर्णनाथ सहित क्षेत्र के आदि शिव मंदिरों में महाशिवरात्रि के दूसरे सोमवार को जलाभिषेक करेगा। सेवादल के पदाधिकारियों ने बताया कि 30 जुलाई को ग्राम किसनी, जिला पीलीभीत से 6 कांवरियों का जत्था अंशु भोली सहित अन्य कांवरियों के साथ मंहत रोहित भोले के नेतृत्व में हरिद्वार स्थित हरकीपैड़ी पहुंचा। वहां से सभी ने 51 लीटर पवित्र गंगाजल भरकर लगभग 300 किलोमीटर की पैदल यात्रा शुरू की। पदयात्रा करते हुए जत्था गांव के शिव मंदिर पहुंचेगा, जहां 11 अगस्त को महाशिवरात्रि के अवसर पर विधि-विधान से जलाभिषेक किया जाएगा। कांवरिया सेवादल भंडारे कैम्प में श्रद्धालुओं के विश्राम, भोजन और चिकित्सा की समुचित व्यवस्था की गई है। यात्रा के दौरान मार्ग में जगह-जगह शिव भक्तों द्वारा कांवरियों का स्वागत किया जा रहा है।इस आयोजन में सेवादल के आयोजकों अखिलेश अग्रवाल, राज कपूर, सतीश गुप्ता, अमित सिंह, गोविंद गुप्ता उर्फ शीपू लाला,मोनू रस्तोगी, दीपक गोयल सहित अनेक शिव भक्तों का सक्रिय सहयोग रहा। आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी कांवर सेवा को भव्य रूप से संपन्न कराया जाएगा। क्षेत्र में भक्ति का माहौल है और श्रद्धालु बड़ी संख्या में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

छत के रास्ते घर में घुसे चोर, लाखों के जेवर ले उड़े

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। थाना क्षेत्र के गांव टियुलिया में कांवड़ लेने गए एक परिवार के घर को अज्ञात चोरों ने निशाना बना लिया। चोर छत के रास्ते घर में घुसे और अलमारी तोड़कर लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात समेत नकदी चोरी कर ले गए।

पीड़ित पप्पू ने बताया कि वह 6 अगस्त को परिवार के साथ कांवड़ लेने हरिद्वार गए थे। देर रात अज्ञात चोरों ने घर की छत के रास्ते प्रवेश किया। कमरे का ताला तोड़ने के बाद अलमारी का लॉक तोड़कर उसमें रखे जेवर निकाल लिए।

चोरी में सोने की 1 अंगूठी, 1 जोड़ी झाले, वेसर, 1 ओम, 2 मंगलसूत्र और एक गुल्लक जिसमें नकद रुपये रखे थे, चोर ले गए। कुल नुकसान लाखों में बताया जा रहा है।

घर लौटने पर चोरी का पता चलने पर पीड़ित ने फतेहगंज पश्चिमी थाने में तहरीर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। ग्रामीणों में चोरी की घटना को लेकर आक्रोश है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बरेली में युवाओं को मिलेगा नया मंच ! माय भारत सघन पंजीकरण अभियान का पोस्टर लॉन्च

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। विकास भवन सभागार में जिला विकास अधिकारी धर्मेंद्र कुमार यादव की अध्यक्षता में माय भारत जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की शुरुआत माय भारत सघन पंजीकरण अभियान के पोस्टर लॉन्च के साथ हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के समन्वय से 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं का अधिक से अधिक पंजीकरण कराने और केंद्र सरकार की युवा विकास योजनाओं का लाभ युवाओं तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। साथ ही जिला मुख्यालय के निकट माय भारत कार्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा गया। उपनिदेशक पुष्पा सिंह ने बताया कि अभियान के तहत विभिन्न विभागों को पंजीकरण लक्ष्य दिए गए हैं और व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी जारी किए गए हैं। बैठक के अंत में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों को स्वच्छता पखवाड़ा-2026 एवं नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान की शपथ दिलाई गई। बैठक में उप क्रीड़ा अधिकारी अनीता नागर, एनसीसी के एम. खान, आईटीआई के तोताराम, जिला उद्योग केंद्र के मयंक कुमार, चिकित्सा विभाग के डॉ. अमित कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक मौजूद रहे।

साइबर पुलिस ने 8 लाख की ठगी में 5.50 लाख पीड़ित को कराए वापस , बाकी रकम की तलाश जारी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। थाना साइबर क्राइम बरेली ने साइबर ठगी के शिकार एक पीड़ित को बड़ी राहत देते हुए ठगी गई राशि में से 5 लाख 50 हजार रुपये वापस उसके खाते में रिवर्स करा दिए हैं। पुलिस अब शेष धनराशि की बरामदगी के लिए भी लगातार प्रयास कर रही है। जानकारी के अनुसार, 18 जून 2026 को सिविल लाइंस निवासी नरेशचंद्र सूद ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि एक अज्ञात व्यक्ति ने खुद को बैंक अधिकारी बताकर व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क किया और बैंकिंग सेवा के नाम पर आधार कार्ड, पैन कार्ड तथा ओटीपी जैसी गोपनीय जानकारी हासिल कर उनके खाते से 8 लाख रुपये की साइबर ठगी कर ली। शिकायत के आधार पर थाना साइबर क्राइम में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य एवं पुलिस अधीक्षक अपराध के निर्देश पर साइबर थाना पुलिस ने MHA के IC4 साइबर पोर्टल, संबंधित बैंकों और अन्य एजेंसियों के सहयोग से मनी ट्रेल का पीछा किया, जिसके परिणामस्वरूप ठगी गई राशि में से 5.50 लाख पीड़ित के खाते में वापस कराए गए। शेष रकम एटीएम के माध्यम से निकाली गई है, जिसकी बरामदगी के लिए आगे की कार्रवाई जारी है।

घर बनाना होगा महंगा; जल्द लागू होगा नया सर्किल रेट

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। नए सर्किल रेट लागू होने के बाद जमीन खरीदना और मकान बनाना अब और महंगा हो जाएगा। जिला प्रशासन ने नई दरें तैयार कर ली हैं। आपत्तियों-सुझावों के निस्तारण के बाद इसे लागू करने की तैयारी है। सर्वे के आधार पर पॉश इलाकों में प्रति वर्गमीटर की दर से रेट बढ़ाया जाएगा।बाइपास और प्रमुख हाईवे से सटे देहात के क्षेत्रों में प्रति हेक्टेयर के हिसाब से नई दरें तय की जाएंगी। इससे आने वाले दिनों में जमीन की रजिस्ट्री कराने पर आम आदमी की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ना तय है।निबंधन विभाग के सर्वे के मुताबिक, जिन कॉलोनियों में नौ मीटर (करीब 30 फीट) या उससे अधिक चौड़े रास्ते हैं, वहां जमीन के रेट सबसे अधिक बढ़ाए गए हैं। सिविल लाइंस क्षेत्र शहर का सबसे महंगा आवासीय इलाका बनकर उभरा है। स्टांप शुल्क पर भी पड़ेगा असर सर्किल रेट बढ़ने का सीधा असर रजिस्ट्री के दौरान लगने वाली स्टांप ड्यूटी पर पड़ेगा। सिविल लाइंस या आवास विकास कॉलोनी में नौ मीटर चौड़े रास्ते पर 100 वर्गमीटर का प्लॉट खरीदने पर उसकी न्यूनतम कीमत 66 लाख रुपये मानी जाएगी। इसी आधार पर स्टांप और निबंधन शुल्क चुकाना होगा। अय्यूब खां चौराहे से नावल्टी के बीच जमीनों के सर्किल रेट पूरे जिले में सबसे अधिक हैं।

उर्स में डीएम व एसएसपी ने दलबल के साथ संवेदनशील क्षेत्रों का किया निरीक्षण

जायरीनों से संवाद कर भाईचारा बनाए रखने की अपील

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । विश्व प्रसिद्ध आला हजरत उर्स के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए जिलाधिकारी अविनाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ फ्लैग मार्च किया। इस दौरान उन्होंने इस्लामिया ग्राउंड, दरगाह मार्ग, बिहारीपुर चौकी, इस्लामिया मार्केट और पटेल चौक सहित संवेदनशील क्षेत्रों का पैदल भ्रमण कर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया।

फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों को पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर कड़ी निगरानी रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के आदेश दिए। डीएम और एसएसपी ने देश-विदेश से आए जायरीनों, स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों से भी बातचीत कर उन्हें सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल का भरोसा दिलाया। उन्होंने लोगों से अपील की कि उर्स के दौरान आपसी भाईचारा बनाए रखें, अफवाहों से दूर रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कहा कि उर्स के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं तथा प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है। वहीं एसएसपी अनुराग आर्य ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई होगी।

फ्लैग मार्च में एसपी सिटी मानुष पारीख, एसपी ट्रैफिक अकमल खान, एडीएम सिटी अविनाश त्रिपाठी, सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा सहित पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के जाने वाली सरकारी सड़क पर कब्जे का आरोप, ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार

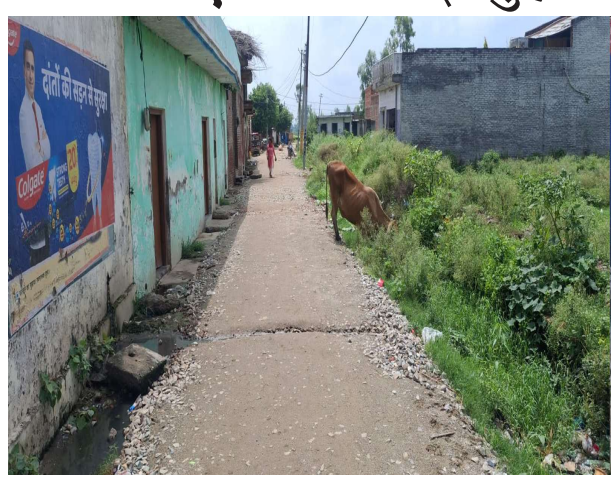

क्यूँ न लिखूँ सच /शेर सिंह/ भुता । ग्राम भुता में राजकीय पॉलिटेक्निक जाने वाली सरकारी सड़क पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से शिकायत की है। ग्रामीणों ने सड़क को कब्जामुक्त कराकर प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण कराकर निर्माण कार्य को पूरा कराने की मांग की है।

ग्रामीणों के मुताबिक गाटा संख्या 511 में सरकारी सड़क दर्ज है। वहीं गाटा संख्या 466 के दक्षिणी हिस्से में करीब 18 मीटर चौड़ी सड़क पूरब-पश्चिम दिशा में है। इस सड़क से ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली व अन्य वाहन व राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के छात्र छात्राओं का आवागमन रहता हैं।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि गाटा संख्या 466 पर बने आवासों के कुछ स्वामियों ने सड़क की भूमि पर कथित रूप से कब्जा कर लिया है। शिकायत में मुलायम सिंह, गीता देवी, धनपाल, हरपाल, सोनपाल और पप्पू आदि पर सड़क पर कब्जा कर आवागमन में बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाया गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के सड़क निर्माण कार्य पीडब्लू डी के ठेकेदार द्वारा सड़क का जो निर्माण किया जा रहा है वह मात्र 3.75 मी चौड़ी ही बनायी जा रही है। जबकि यह सड़क का मार्ग 18 मी चौड़ा है। उक्त लोगों से कब्जा मुक्त कराकर सड़क को चौड़ी करण कराकर किये जाये। जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों के ट्रैक्टर ट्राली व अन्य वाहन राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के छात्र छात्राओं का आवागमन सुलभ हो सके। इस सड़क को लेकर कुंवर सेन गंगवार, पंकज गुप्ता, रामप्रकाश, नरेश पाल, महेंद्र प्रसाद, प्रशांत कुमार, सत्यपाल , राकेश कुमार, सूरजपाल, अयोध्या प्रसाद आदि ग्रामीणों ने जिलाधिकारी व पीडब्ल्यूडी विभाग को लिखित शिकायत भेज कर सड़क को कब्जा मुक्त कराकर व चौड़ीकरण कर सड़क निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

इधर अवर अभियंता ओंकार सिंह ने बताया। 3.75 मीटर की रोड डाली जा रही है। इसके बाद रोड किनारे सोल्डर का कार्य चालू होगा। जिन्होंने रोड पर अतिक्रमण कर रखा है। उन्हें नोटिस दिया जाएगा।

बरेली कांवड़ यात्रा बनी सौहार्द और सुरक्षा की मिसाल , मुस्लिम समाज ने पुष्पवर्षा कर पेश की गंगा जमुनी की अनूठी तस्वीर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । इस बार की कांवड़ यात्रा सिर्फ आस्था का पर्व नहीं, बल्कि भाईचारे, सुरक्षा और बेहतरीन प्रशासनिक व्यवस्था की मिसाल बन गई है।

पूरे प्रदेश में बरेली मॉडल की चर्चा हो रही है, जहां जिला प्रशासन की सक्रियता और सामाजिक सौहार्द ने एक नई पहचान बनाई है।

कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए जगह-जगह सहायता शिविर, भंडारे और सेवा केंद्र लगाए गए हैं। वहीं सुरक्षा के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी की जा रही है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं।

इस यात्रा की सबसे खास तस्वीर वह रही, जब मुस्लिम समाज के लोगों ने विभिन्न स्थानों पर कांवड़ यात्रियों पर पुष्पवर्षा कर गंगा-जमुनी तहजीब की शानदार मिसाल पेश की। इस पहल ने आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश पूरे प्रदेश में पहुंचाया। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सभी नागरिकों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील करते हुए कहा है कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और बिना सत्यापन के कोई भी संदेश आगे साझा न करें। प्रशासन का लक्ष्य है कि प्रत्येक श्रद्धालु सुरक्षित, सुगम और शांतिपूर्ण वातावरण में अपनी यात्रा पूरी कर सके।

मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर ट्रस्ट ने मनाया खिदमत का दिन , चादरपोशी के बाद लगा लंगर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से गुरुवार को दरगाह आला हजरत पर चादर पेश की गई। चादरपोशी के बाद दरगाह तहसीन मियां, पुराना शहर में एक विशाल लंगर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम से पूर्व नियाज-नजर पेश की गई। इसके बाद आए हुए तमाम जायरीनों, राहगीरों और जरूरतमंदों में लंगर वितरित किया गया। इस नेक कार्य का आयोजन मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अकील अहमद नूरी के नेतृत्व में किया गया। लंगर को सफल बनाने में ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों ने दिनभर सेवा की। इस मौके पर जिला अध्यक्ष मोमिन चिश्ती, जफर अज़ीज़ मोहसिन रज़ा डॉ अनीस अहमद डॉ वसी खान दारेन रज़ा, अमान खुर्रम सहित कई लोग मौजूद रहे और उन्होंने जायरीनों की खिदमत में सहयोग किया। आयोजकों ने कहा कि इस तरह के आयोजन से आपसी भाईचारे और मोहब्बत का पैगाम जाता है।

पीलीभीत बाईपास पर बसने जा रही विश्वस्तरीय टाउनशिप, 117 हेक्टेयर भूमि खरीदकर किसानों को मिले 560 करोड़

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने पीलीभीत बाईपास क्षेत्र में आधुनिक और विश्वस्तरीय टाउनशिप विकसित करने की दिशा में बड़ी पहल की है। परियोजना के 117 हेक्टेयर भूमि खरीदी जा चुकी का पारदर्शी भुगतान किया गया है। होगी। इसमें सुव्यवस्थित आवासीय जलापूर्ति, सीवरेज, स्मार्ट स्ट्रीट और सामुदायिक सुविधाएं विकसित से क्षेत्र में निवेश, रोजगार और व्यापार सुनियोजित विकास नई पहचान गुणवत्तापूर्ण और जनहित को सर्वोच्च तहत अब तक 258 बैनामों के माध्यम से लगभग है, जिसके बदले किसानों को करीब ?560 करोड़ यह टाउनशिप आधुनिक शहरी सुविधाओं से सुसज्जित व व्यावसायिक क्षेत्र, चौड़ी सड़कें, पार्क, हरित क्षेत्र, लाइटिंग, वर्षा जल निकासी, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल की जाएंगी। बीडीए का कहना है कि इस परियोजना को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही पीलीभीत बाईपास का बनाएगा। प्राधिकरण ने परियोजना को समयबद्ध, प्राथमिकता देते हुए पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जिला पंचायत अध्यक्ष गीता रघुवंशी एवं कलेक्टर ने उद्यमियों से किया संवाद

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा- मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान योजना के अंतर्गत आज त्योंदा पंचायत भवन के सभागार में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने उद्यमियों एवं विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के हितग्राहियों से संवाद किया। कार्यक्रम में बासौदा क्षेत्र के उद्योगपति, उद्यमी तथा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, एमएसएमई प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना एवं प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से लाभान्वित हितग्राही उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने उद्यमियों एवं हितग्राहियों से सीधे संवाद करते हुए उनके व्यवसाय, स्वरोजगार गतिविधियों तथा योजनाओं के माध्यम से प्राप्त सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत मिलने वाली सहायता, ऋण, अनुदान एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में विस्तार से अवगत कराया। साथ ही हितग्राहियों की समस्याओं एवं कठिनाइयों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ऑनलाइन सेवाओं और डिजिटल गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर

संवाद के दौरान मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत कंप्यूटर सेंटर के लिए लाभान्वित उद्यमी श्री अमित जैन से भी कलेक्टर ने चर्चा की। श्री जैन द्वारा क्षेत्र के लोगों को विभिन्न ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान करने तथा एमपी ऑनलाइन से संबंधित गतिविधियों में सहयोग किए जाने की जानकारी दी गई। कलेक्टर श्री गुप्ता ने श्री अमित जैन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें अपने क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों को ऑनलाइन सेवाओं से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने साइबर फ्रॉड से बचाव के लिए नागरिकों को जागरूक करने तथा डिजिटल सेवाओं का सुरक्षित उपयोग करने के संबंध में भी लोगों को जानकारी देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाया जाए तथा आवेदन, ऋण, अनुदान अथवा अन्य प्रक्रियाओं से संबंधित समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित निराकरण किया जाए। कलेक्टर ने उद्यमियों से अपने अनुभव साझा करने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों की जानकारी देने का आग्रह किया, ताकि आवश्यक सुधार किए जा सकें।

कार्यक्रम के दौरान उद्यमियों एवं हितग्राहियों ने कलेक्टर से अपनी गतिविधियों और समस्याओं के संबंध में चर्चा की। कलेक्टर ने उन्हें शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाकर स्वरोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

वीरपाल सिंह यादव के जन्मदिन पर शुरू हुआ संवाद अभियान , 2027 मिशन की तैयारी में जुटी सपा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को होटल डिप्लोमेट में आयोजित विचार गोष्ठी एवं संवाद-परिचर्चा कार्यक्रम में पूर्व सांसद प्रवीण सिंह ऐरन और पूर्व मेयर सुप्रिया ऐरन ने पार्षदों व पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संवाद अभियान की शुरुआत की। इस दौरान पूर्व सांसद वीरपाल सिंह यादव का जन्मदिन भी केक काटकर मनाया गया। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, जनसंपर्क बढ़ाने और आगामी चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई। पूर्व सांसद प्रवीण सिंह ऐरन ने कहा कि जनता से लगातार संवाद बनाए रखना पार्टी की प्राथमिकता है। वहीं सुप्रिया ऐरन ने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव और महानगर अध्यक्ष शमीम खान सुल्तानी ने कहा कि संवाद अभियान संगठन को और मजबूत करेगा। कार्यक्रम में पूर्व मेयर आई.एस. तोमर, प्रेम शंकर राठौर, सादिक अंसारी, आरिफ कुरैशी, गौरव सक्सेना सहित बड़ी संख्या में पार्षद, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आयुष चिकित्सालय हेतु बनाए गए अस्थायी कक्ष का निरीक्षण

बिलारी। नगर में प्रस्तावित आयुष चिकित्सालय के संचालन की तैयारियों के क्रम में बाबा लक्ष्मण दास की मणि पर बनाए गए अस्थायी कक्ष का सोमवार को निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान नगर पालिका परिषद बिलारी के जूनियर इंजीनियर उमेश कुमार के साथ रामनिवास शर्मा भी मौजूद रहे। इसी क्रम में आयुर्वेदिक चिकित्सालय बिलारी की चिकित्साधिकारी डॉ. वर्णिका ने भी स्थल का निरीक्षण कर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक सुझाव दिए।

निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय के सुचारु संचालन एवं जनसुविधाओं से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर नागरिक परिषद बिलारी के डॉ. राकेश रफीक, डॉ. जितेंद्र दक्ष, तिलक राज चांदना, राकेश कुमार यादव, माजिद हुसैन, राहत जान एवं हसीब अहमद उपस्थित रहे। वहीं निर्माण कार्य में सहयोग प्रदान करने वाले नासिर हुसैन और बाबूराम भी मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने आयुष चिकित्सालय के शीघ्र संचालन की उम्मीद जताते हुए कहा कि इसके शुरू होने से क्षेत्रवासियों को आयुर्वेदिक एवं पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेगा।

कलेक्टर का पिछोर-खनियाधाना दौरा, खाद वितरण से लेकर स्कूलों और गौशाला तक व्यवस्थाओं की परखी हकीकत

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत पिछोर एवं खनियाधाना क्षेत्र का औचक निरीक्षण कर खाद वितरण केंद्र, शासकीय विद्यालय, कन्या छात्रावास, गौशाला तथा निर्माणाधीन कार्यों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्ध कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पिछोर स्थित खाद वितरण केंद्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उर्वरक की उपलब्धता, भंडारण एवं वितरण व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों से सीधे चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और वितरण संबंधी दस्तावेजों की जांच करते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक किसान को बिना किसी अनावश्यक देरी के पारदर्शी तरीके से खाद उपलब्ध कराई जाए। इसके बाद खनियाधाना के शासकीय माध्यमिक विद्यालय दवियाकलां और सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण कर उन्होंने स्वच्छता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, मध्याह्न भोजन, पठन-पाठन तथा वोकेशनल कक्षाओं का अवलोकन किया। निर्माणाधीन भवन की गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने तथा विद्यालयों की व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए।

कलेक्टर ने ग्राम दवियाकलां की गौशाला का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान चारागाह की शासकीय भूमि पर अवैध खेती पाए जाने पर उन्होंने तत्काल अतिक्रमण हटाने और संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ताकि गौवंश के लिए पर्याप्त चरागाह उपलब्ध हो सके।

खनियाधाना स्थित शासकीय अनुसूचित जाति सीनियर एवं उत्कृष्ट कन्या छात्रावास में उन्होंने छात्राओं से संवाद कर भोजन, पढ़ाई और अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। रसोई, स्वच्छता और खाद्यान्न भंडारण की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए छात्राओं की समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर अर्पित वर्मा ने कहा कि जनसेवा, शिक्षा, खाद वितरण और शासकीय परिसंपत्तियों के संरक्षण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर बुनकरों के सम्मान और संरक्षण की उठी मांग

बिलारी । राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर सूचना कानून जागरूकता समिति, बिलारी के अध्यक्ष, नागरिक एकता परिषद के संस्थापक/निदेशक एवं तहसील बार एसोसिएशन बिलारी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद आसिफ कमल अंसारी ने क्षेत्र के हथकरघा बुनकरों और वस्त्र उद्योग से जुड़े कारीगरों के योगदान की सराहना करते हुए उनके सम्मान और संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि बिलारी का हथकरघा उद्योग केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत, स्वदेशी परंपरा और पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण प्रतीक है। पावरलूम के बढ़ते प्रभाव के बीच हाथ से ताना-बाना बुनने वाले कारीगर आज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। बिजली की बढ़ती दरें, कच्चे माल की महंगाई, उत्पादों के लिए पर्याप्त बाजार का अभाव तथा आधुनिक मशीनीकरण से बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने बुनकरों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है।मोहम्मद आसिफ कमल अंसारी ने विशेष रूप से बिलारी के पारंपरिक वस्त्र उद्योग का उल्लेख करते हुए बताया कि यहां विदेशों से आने वाले पुराने वस्त्रों को उधेड़कर उनसे धागा तैयार किया जाता है और उसी धागे से नया कपड़ा बुना जाता है। यह उद्योग हजारों लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ संसाधनों के पुनः उपयोग और आत्मनिर्भरता का उत्कृष्ट उदाहरण भी है।उन्होंने कहा कि विदेशी पुराने वस्त्रों की बढ़ती कीमतों और आयात लागत में वृद्धि का सीधा असर इस उद्योग पर पड़ा है। यदि बुनकरों को सस्ती बिजली, सरल ऋण सुविधा, आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण, बेहतर विपणन व्यवस्था तथा सरकारी योजनाओं का प्रभावी लाभ उपलब्ध कराया जाए तो यह उद्योग पुनः नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है।उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर स्थानीय बुनकरों द्वारा निर्मित वस्त्रों और हस्तनिर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देकर उनके श्रम, कौशल और परंपरा का सम्मान करें। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी भावना और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

संक्षिप्त समाचार

नवविवाहिता ने फंदे से लटककर जान देने का किया प्रयास, हालत गंभीर

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ गांधी पार्क थाना क्षेत्र की अंबेडकर कॉलोनी में एक नवविवाहिता द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि महिला ने दुपट्टे से फंदा बनाकर आत्महत्या की कोशिश की। परिजनों ने दरवाजा तोड़कर महिला को गंभीर अवस्था में बाहर निकाला और तत्काल मलखान सिंह जिला अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मामले की जानकारी जुटाने में लगी है। आत्महत्या के प्रयास के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

95 वर्षीय दादा को कांवड़ में बैठाकर वृंदावन निकले दो पोते, अलीगढ़ में हुआ स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ भक्ति, सेवा और पारिवारिक संस्कारों की अनूठी मिसाल पेश करते हुए बुलंदशहर के रामघाट से दो सगे भाई कृष्णा और भूदेव अपने 95 वर्षीय दादाजी हरीशचंद्र को कांवड़ में बैठाकर पैदल वृंदावन के लिए रवाना हुए। कांवड़ के एक ओर गंगाजल के चार कलश और दूसरी ओर दादाजी को बैठाकर दोनों पोते यात्रा कर रहे हैं। गंगा स्नान कराने के बाद शुरू हुई यह यात्रा जब अलीगढ़ के दुबे का पड़ाव पहुंची तो श्रद्धालुओं ने दोनों युवकों का फूल-मालाओं, तालियों और जय भोलेनाथ के जयकारों के साथ स्वागत किया। उनकी अनोखी कांवड़ यात्रा देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़ पड़े। दोनों युवकों ने बताया कि उन्होंने बिना बताए अपने दादाजी को यह भक्ति भरा सरप्राइज दिया। उनकी पहली कांवड़ यात्रा बुजुर्गों के सम्मान, सेवा और पारिवारिक संस्कारों की प्रेरक मिसाल बन गई।

चार्ज संभालते ही एक्शन में नए कमिश्नर शंभू कुमार, अफसरों को दी सख्त चेतावनी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बरेली मंडल के नवागत कमिश्नर शंभू कुमार ने कार्यभार संभालते ही प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपना लिया है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों और कानून व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कमिश्नर ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पारदर्शिता के साथ पहुंचे और सभी अधिकारी जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करें। उन्होंने कानून व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए अधिकारियों से जिम्मेदारी और समयबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए।

एम.ए. भूगोल में निशिकान्त आर्या ने किया यूनिवर्सिटी टॉप, जीता गोल्ड मेडल , महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में खुशी की लहर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय के छात्र निशिकान्त आर्या ने एम.ए. भूगोल में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि पर उन्हें दीक्षांत समारोह-2026 में सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार तथा विश्वविद्यालयों के कुलपतियों द्वारा स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया गया। निशिकान्त की इस सफलता पर महाविद्यालय प्रबंधन, निदेशक डॉ. प्रवीन अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल और सभी शिक्षकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। निशिकान्त ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत, विषय के प्रति रुचि और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य भूगोल विषय में उच्च शिक्षा प्राप्त कर शोध कार्य करना है।

यूडीएसपी पोर्टल बनेगा सुरक्षा कवच, संक्रामक रोगों पर स्वास्थ्य विभाग की बड़ी तैयारी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। संक्रामक बीमारियों की समय रहते पहचान और रोकथाम के लिए बरेली में सरकारी और निजी डॉक्टरों की संयुक्त कार्यशाला आयोजित की गई। जीएचएस-राइज परियोजना के तहत जपाइगो, आईएमए और आईएपी के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में यूडीएसपी पोर्टल पर समयबद्ध और सटीक रिपोर्टिंग को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। स्वास्थ्य सेवाएं बरेली मंडल की अपर निदेशक डॉ. सीमा अग्रवाल और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने कहा कि निजी अस्पतालों में आने वाले संक्रामक रोगों के संदिग्ध मामलों की सूचना समय पर स्वास्थ्य विभाग तक पहुंचना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी संभावित प्रकोप पर तुरंत नियंत्रण किया जा सके। मंडलीय सर्विलांस अधिकारी डॉ. अखिलेश्वर सिंह और जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. प्रशांत रंजन ने यूडीएसपी पोर्टल पर गुणवत्तापूर्ण रिपोर्टिंग के महत्व के साथ एंटीबायोटिक दवाओं के जिम्मेदार उपयोग की भी अपील की। आईएमए अध्यक्ष डॉ. अतुल श्रीवास्तव और आईएपी अध्यक्ष डॉ. के.सी. गुप्ता ने निजी चिकित्सकों की ओर से पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया। कार्यशाला में निजी अस्पतालों और क्लीनिकों के प्रतिनिधियों को यूडीएसपी पोर्टल पर पंजीकरण, रिपोर्टिंग प्रक्रिया और डेटा एंट्री का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। सरकारी और निजी स्वास्थ्य क्षेत्र के बेहतर समन्वय के साथ जिले में संक्रामक रोगों की निगरानी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प लिया गया।

डीएम की सख्ती का बड़ा असर, विद्युत विभाग में गिरी गाज

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / दो लोगों के झुलसने के मामले में उपखंड अधिकारी तत्काल हटाए गए, अवर अभियंता पर भी विभागीय कार्रवाई, अधीक्षण अभियंता ने भेजी विस्तृत आख्या जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के कड़े निर्देशों के बाद अधीक्षण अभियंता योगेंद्र सिंह ने हदरुख विद्युत उपकेंद्र क्षेत्र में हुई विद्युत दुर्घटना को गंभीर लापरवाही मानते हुए जिम्मेदार अधिकारियों पर तत्काल कार्रवाई कर दी है। प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर उपखंड अधिकारी को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया गया है, जबकि संबंधित अवर अभियंता के विरुद्ध भी विभागीय दंडात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें हटाकर कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। अधीक्षण अभियंता द्वारा जिलाधिकारी को प्रेषित आख्या के अनुसार ग्राम हरिसिंहपुर के मजरा माईनर के पास खेतों से गुजर रही 11 केवी विद्युत लाइन के समीप हुई दुर्घटना की जांच कराई गई। जांच में प्रथम दृष्टया संबंधित अधिकारियों की लापरवाही सामने आने पर बिना विलंब कार्रवाई अमल में लाई गई। रिपोर्ट के अनुसार उपखंड अधिकारी, विद्युत वितरण उपखंड जालौन को तत्काल प्रभाव से उनके पद से हटाते हुए उनके विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की संस्तुति उच्चाधिकारियों को भेजी गई है। वहीं 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र हदरुख के अवर अभियंता रमाकान्त वर्मा को भी प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए पद से हटाकर प्रतिकूल प्रविष्टि का दंड दिया गया तथा उन्हें अन्य कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि दुर्घटना सीधे विद्युत लाइन के संपर्क में आने से नहीं, बल्कि वर्षा के दौरान पेड़ों में विद्युत प्रवाह आने के कारण हुई। घटना के तुरंत बाद संबंधित खेत से गुजर रही 11 केवी विद्युत लाइन का स्पैन हटाकर वहां की विद्युत आपूर्ति बंद करा दी गई, जिससे भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। अधीक्षण अभियंता ने अपनी रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया है कि घायल दोनों व्यक्तियों का उपचार कराया जा रहा है तथा उन्हें नियमानुसार क्षतिपूर्ति दिलाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। साथ ही विद्युत सुरक्षा निदेशालय द्वारा दुर्घटना की स्वतंत्र जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट में यदि अन्य किसी अधिकारी अथवा कर्मचारी की जिम्मेदारी निर्धारित होती है तो उसके विरुद्ध भी कठोर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी अधिकारी चाहे किसी भी पद पर हो, उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सभी विद्युत अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

79 साल बाद भी अंधेरे में 38 गांव! बिजली की मांग पर AAP का शक्ति प्रदर्शन, 30 दिन का अल्टीमेटम

♦ धूप और मूसलाधार बारिश में भी डटे रहे सैकड़ों ग्रामीण, कार्रवाई नहीं हुई तो मंत्री आवास घेराव की चेतावनी

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी-बिहारपुर। सूरजपुर जिले के चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र के 38 गांवों में बिजली सुविधा की मांग को लेकर शुक्रवार को बिहारपुर थाना के सामने आम आदमी पार्टी (AAP) ने बड़ा शक्ति प्रदर्शन किया। बिजली अधिकार आंदोलन के तहत आयोजित एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन में सैकड़ों ग्रामीणों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। आंदोलन के दौरान दिनभर कड़ी धूप और बाद में हुई मूसलाधार बारिश भी प्रदर्शनकारियों का हौसला नहीं तोड़ सकी। बारिश के बीच भी ग्रामीण बिजली हमारा अधिकार है, 79 साल बाद भी अंधेरे में क्यों? और झांसे में नहीं आना है, क्षेत्र में बिजली लाना है जैसे नारों के साथ धरने पर डटे रहे। धरना स्थल पर वक्ताओं ने कहा कि आजादी के 79 वर्ष बाद भी क्षेत्र के कई गांव मूलभूत सुविधा बिजली से वंचित हैं। ग्रामीणों को अब भी अंधेरे में जीवन बिताने को मजबूर होना पड़ रहा है, जबकि लगातार मांग और आश्वासन के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

आम आदमी पार्टी के लोकसभा सचिव लव कुमार ने कहा कि कुछ समाचार पत्रों में सितंबर से बिजली कार्य शुरू होने की खबरें प्रकाशित हो रही हैं, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों से मिली जानकारी इससे अलग है। उन्होंने कहा कि यदि 30 दिनों के भीतर सभी शेष गांवों के लिए प्रशासनिक स्वीकृति और कार्यवाही शुरू नहीं हुई तो पार्टी चरणबद्ध आंदोलन करेगी। साथ ही क्षेत्र की विधायक एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री के निवास का लोकतांत्रिक घेराव तथा प्रतीकात्मक रूप से बिजली काटने का आंदोलन करने की चेतावनी भी दी।

जिला संगठन महासचिव पुनीत दुबे ने दावा किया कि प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र के कुल 28 गांवों में से केवल 11 गांवों को ही प्रशासनिक स्वीकृति मिली है। शेष 17 गांवों के लिए न तो स्वीकृति जारी हुई है और न ही टेंडर प्रक्रिया शुरू हुई है। उन्होंने बताया कि स्वीकृत 11 गांवों के लिए 24 अगस्त को टेंडर खोले जाने की जानकारी अधिकारियों ने दी है।

जिलाध्यक्ष रवि जायसवाल ने कहा कि सितंबर से सभी गांवों में बिजली कार्य शुरू होने के दावे वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाते। उन्होंने सरकार से शेष गांवों के लिए भी तत्काल प्रशासनिक स्वीकृति, बजट और टेंडर प्रक्रिया पूरी करने की मांग की ताकि सभी गांवों में एक साथ विद्युतीकरण कार्य शुरू हो सके।

धरना-प्रदर्शन के समापन पर आम आदमी पार्टी ने प्रशासन को 30 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि तय समय के भीतर सभी लंबित गांवों के लिए स्वीकृति और कार्य प्रक्रिया शुरू नहीं हुई तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

धरना-प्रदर्शन में लोकसभा सचिव लव कुमार, जिलाध्यक्ष रवि जायसवाल, जिला संगठन महासचिव पुनीत दुबे, अजय घोष, चंद्रबली राजवाड़े, संदीप यादव, राकेश जायसवाल, गजमोचन सिंह, लक्ष्मण जायसवाल, तुलसी जायसवाल, सुरेश देवांगन, सर्वेश गुप्ता, माया सिंह, सुनील जायसवाल, आशीष कुशवाहा, खगेश्वर चौधरी, श्यामबिहारी कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

भारी बरसात में त्रिपाल लगाकर करना पड़ा अंतिम संस्कार, दो मासूमों के सिर से उठा पिता का साया

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन)। जनपद के कुठौंद ग्राम पंचायत नौरेजपुर निवासी देवेंद्र पाल उम्र (36) पुत्र सियाराम पाल अपने परिवार के साथ गुजरात के पालनपुर में पेंटिंग का काम करते थे। पिछले काफी समय से

बीमार चल रहे देवेंद्र ने मंगलवार को गुजरात के एक सरकारी अस्पताल में अंतिम सांस ली। बुधवार सुबह उनका शव गांव नौरेजपुर लाया गया। शव गांव पहुंचते ही पूरे गांव में मातम छा गया। गांव में श्मशान घाट की व्यवस्था न होने के कारण परिजनों को भारी बारिश के बीच त्रिपाल लगाकर अंतिम संस्कार करना पड़ा। देवेंद्र पाल अपने पीछे दो मासूम बच्चों को छोड़ गए हैं, जिनमें छह वर्षीय बेटा और चार वर्षीय बेटी है। पिता की मौत से दोनों बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। इस दुखद घटना से परिवार और ग्रामीणों में शोक की लहर है। गुलजारी पाल, सियाराम पाल, बालकिशन, अभिलाख, गोविंद, कृष्ण कुमार (पूर्व प्रधान), सोबरन पाल, प्रमोद कोटेदार, नरपाल पाल आदि ने शोक संवेदना व्यक्त की।

व्यापार मंडल से जुड़े व्यापारियों ने एसडीएम से मुलाकात की

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / कोंच(जालौन)। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला उपाध्यक्ष प्रभंजन अग्रवाल की अगुवाई में नवागत एसडीएम अभिनव कुमार यादव से मुलाकात की और उन्हें फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया साथ

ही उन्हें श्री राम दरबार के रूप में स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसके बाद व्यापार मंडल के पदाधि कारी नवांगतुक कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक निगवेंद्र प्रताप सिंह से मिलने उनके कार्यालय पहुंचे जहां स्नेह हिल मुलाकात की और उन्हें फूलों का गुलदस्ता देकर और श्री राम दरबार के रूप में स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया इसके बाद नवागत तहसील दार मनोज कुमार से भी भेंट की उन्हें भी सम्मानित किया गया इस अवसर पर व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष संदीप अग्रवाल नगर उपाध्यक्ष देवेंद्र अग्रवाल सोनू राम बाबू रामू अग्रवाल धनोरा वाले सहित कई लोग मौजूद रहे ।

दतिया से निर्वाचित विधायक राजा घनश्याम सिंह से मिले कोंच के नेता अनिल पटेरिया

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार / कोंच(जालौन) । मध्य प्रदेश की सबसे वीआईपी दतिया विधान सभा के उप में कांग्रेस पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी विधायक राजा घनश्याम सिंह जी विजयी होने पर कोंच के सीनियर नेता

जिला महासचिव जालौन कांग्रेस कमेटी अनिल पटेरिया की अगुवाई में दतिया पहुंचे जहां उन्होंने नव निर्वाचित विधायक राजा घनश्याम सिंह के किला स्थित आवास पर पहुंच कर उनका माल्यार्पण कर स्वागत अभिनंदन किया और इस प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में विजय हासिल करने पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी इस अवसर पर जिला महासचिव कॉग्रेस कमेटी जालौन राम किशोर पुरोहित जिला उपाध्यक्ष कॉग्रेस जालौन नुरुल हक नगर अध्यक्ष कॉग्रेस एट लल्लन चचा पूर्व प्रधान एट युवा नेता अनस हक एट सहित कई लोग मौजूद रहे।

सीडीओ ने 50 लाख से अधिक लागत की निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूं मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला ने विकास भवन सभागार में 50 लाख रुपये अथवा उससे अधिक लागत की भवन निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न निर्माणदायी संस्थाओं एवं संबंधित विभागों द्वारा संचालित परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, उन्हें संबंधित विभागों को शीघ्र हस्तांतरित किया जाए, ताकि उनका जनहित में उपयोग प्रारंभ किया जा सके। साथ ही जिन परियोजनाओं का निर्माण कार्य अभी अपूर्ण है, उन्हें निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी निर्माणदायी संस्थाएं एवं संबंधित अधिकारी अपने कार्यों में अपेक्षित सुधार लाएं तथा निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए प्रगति सुनिश्चित करें। जिन विभागों की परियोजनाएं निर्धारित समय के अनुरूप पूर्ण नहीं हो रही हैं, उनके अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि अनावश्यक विलंब की स्थिति में संबंधित अधिकारी स्वयं उत्तरदायी होंगे।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने विभिन्न विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं की कार्ययोजनाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति, प्रगति एवं शेष कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए निर्माण कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

बैठक में उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद निर्माण खंड रोहिलखंड, उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लिमिटेड, उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय), उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड, कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज, उत्तर प्रदेश स्टेट कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड), लोक निर्माण विभाग (भवन निर्माण), ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ लिमिटेड, उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम, उत्तर प्रदेश पर्यटन विकास निगम लिमिटेड तथा उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) सहित विभिन्न विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम-एसएसपी ने किया कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच / जिलाधिकारी अवनीश राय व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 के दृष्टिगत बरेली-बदायूं सीमा से जनपद के संपूर्ण कांवड़ मार्ग का संयुक्त रूप से देर रात स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा, यातायात एवं श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

उन्होंने निरीक्षण के दौरान मार्ग पर स्थापित कांवड़ सहायता शिविरों का भी निरीक्षण किया तथा श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जा रही पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं की समीक्षा की। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं पूरी यात्रा अवधि में सुचारु एवं निर्बाध रूप से संचालित रहें तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक शिवभक्त को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यात्रा का अनुभव कराएं। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी रखने एवं किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी मौजूद

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर बोले वाजिद हुसैन अंसारी, बुनकरों के उत्थान के लिए विशेष मिशन चलाने की मांग

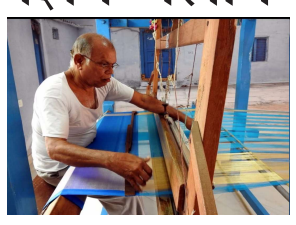

बिलारी, राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर पूर्व सदस्य, केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय भारत सरकार व वरिष्ठ अधिवक्ता वाजिद हुसैन अंसारी ने बुनकरों एवं दस्तकारों के योगदान को देश की सांस्कृतिक और आर्थिक विरासत का आधार बताते हुए उनके सम्मान और सशक्तिकरण की आवश्यकता पर बल दिया।जारी प्रेस नोट में वाजिद हुसैन अंसारी ने कहा कि हमारे हथकरघा बुनकर भाई केवल वस्त्र ही नहीं बनाते, बल्कि भारत की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, कला और आत्मनिर्भरता की गौरवशाली विरासत को भी संजोए रखते हैं। उनके श्रम, कौशल और समर्पण ने सदियों से देश को विश्व स्तर पर सम्मान दिलाने का कार्य किया है।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि बुनकर एवं दस्तकार समाज के सम्मान, आर्थिक सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय तथा उचित राजनीतिक भागीदारी के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। साथ ही स्वदेशी हथकरघा उत्पादों को अपनाकर बुनकरों के हाथों को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा।अंसारी ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के कई क्षेत्रों में हथकरघा उद्योग गंभीर संकट से गुजर रहा है। उन्होंने दावा किया कि बनारस में बड़ी संख्या में हथकरघे बंद पड़े हैं तथा महंगी मशीनें कबाड़ के भाव बिकने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि मुरादाबाद, अलीगढ़, मेरठ, मवाना, सीतापुर, गोरखपुर और महाराजगंज सहित अनेक क्षेत्रों का हथकरघा उद्योग भी प्रभावित हुआ है, जिससे हजारों परिवारों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बुनकर समुदाय की समस्याओं का संज्ञान लेने और उनके रोजगार व आजीविका को मजबूत करने के लिए विशेष मिशन के रूप में प्रभावी कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि बुनकरों और दस्तकारों को प्रोत्साहन देकर न केवल उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाया जा सकता है, बल्कि देश की पारंपरिक कला और हस्तशिल्प को भी नई पहचान मिल सकती है।

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत राजकीय मेडिकल कॉलेज बदायूँ में जागरूकता रैली का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ नशा मुक्त भारत अभियान 2026 के अंतर्गत राजकीय मेडिकल कॉलेज, बदायूँ के कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा गुरुवार को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर श्री गजेंद्र सिंह के निर्देशन एवं देखरेख में किया गया रैली का शुभारंभ राजकीय मेडिकल कॉलेज, बदायूँ के प्राचार्य प्रो. डॉ. शिव कुमार एवं कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्रो. डॉ. श्रीनिवासन गांधी ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली में कॉलेज ऑफ नर्सिंग के सभी संकाय सदस्य, बी.एससी. नर्सिंग एवं पैरामेडिकल के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जागरूकता रैली में लगभग 200 छात्र-छात्राओं एवं 30 संकाय सदस्यों की सहभागिता रही। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने नशे के दुष्प्रभावों, स्वस्थ जीवनशैली तथा नशा-मुक्त समाज के निर्माण का संदेश देते हुए विभिन्न जागरूकता नारों के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए हानिकारक है। युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ, अनुशासित एवं सकारात्मक जीवन अपनाना चाहिए। मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें नशा-मुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह, अनुशासन एवं जागरूकता के साथ सहभागिता कर समाज में नशा-मुक्ति का संदेश प्रसारित किया।

एसएसपी ने बाजारों में परखी चौकसी

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन ने शहर के प्रमुख एवं संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने क्रासी चौराहे से मीनाक्षी पुल, दुबे का पड़ाव, गांधी पार्क चौराहा, रसलगंज चौराहा, नुमाइश ग्राउंड तिराहा होते हुए सारसौल तक पैदल मार्च किया और पुलिस कर्मियों को सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए। उधर, पुलिस अधीक्षक नगर आदित्य बंसल ने सिविल लाइन क्षेत्र स्थित जवाहर पार्क परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां तैनात एंटी रोमियो स्क्वायड के जवानों को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और आमजन से संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

From the "wise man without words" to the "heartbroken lover"... every friend group has these 6 unique characters!

The great thing about friendship is that we learn so much from friends with different personalities. A group of friends isn't limited to school; its scope expands with college and then office.

Regardless of the type of friend completely fixed. It's these intimate ones who sometimes make us angry One Who Gives Meaningless always that one person who has the creator of this world, whether they're a star in the group, and they also - No amount of talk about the foodie mention of food, his ears perk up. If for the menu as if it's a big party. enjoying themselves, one person one who cancels plans - Everyone has been successful? And we know the ready but ultimately says, "My family Tarak Mehta? The one who creates in this, which is why people don't Nowadays, even some boys are small thing out of proportion until it tell their friends stories. Whining and lists. Heartbroken lover - You might will find a heartbroken lover in every group, there are some characters who are friends who keep the friend circle alive, the and sometimes make us laugh out loud. The Knowledge - In every group of friends, there's answer to everything. It's as if they're the right or wrong. Their quick wit makes them become a free counselor. The Foodie Friend friend is enough. Whenever there's any you plan to go somewhere, he starts asking Meanwhile, while everyone on the trip is among us is focused solely on the food. The probably made plans for Goa, but has it ever reason: that one friend who initially seems won't agree." Is he copying Popatlal from drama over every little thing - Girls are ahead hesitate to call them drama queens. getting the princess treatment. They blow a seems like a big deal, then overthink it and complaining is at the top of these friends' wish have seen many lovers around you but you friend circle. The one who celebrates by listening to a breakup song one day and the next day starts saying that he misses you. Sad songs are so much his favourite, don't even ask! - The most innocent - Yes, that innocent friend whom people sometimes tag as a people pleaser and sometimes make fun of by calling him foolish. He has almost no understanding of worldly matters.

Don't have any vegetables at home? Make this famous Rajasthani papad ki sabji in 10 minutes. Take note of the recipe.

In Rajasthan, water scarcity made farming impossible, so delicious vegetable-free dishes have been invented, such as papad ki sabji. There are times when we don't have any vegetables at

home. Sometimes, we get so bored of the same dal-roti that we rush to the market for something new. In such a situation, this special Rajasthani sabji can be a delicious option for you. We're talking about the traditional papad ki sabji. Let's learn its recipe. Rajasthani Papad Sabzi Recipe - This sabji requires papad and spices. Follow these steps: Ingredients: 5-6 papads, 1/2 cup yogurt, 2-3 tomatoes, 2-3 tablespoons coriander leaves, 1 tablespoon kasuri methi, 2-3 finely chopped green chilies, 1/2 teaspoon cumin seeds, 1/4 teaspoon turmeric powder, 1/4 teaspoon red chili powder, 1 teaspoon coriander powder, 1 inch ginger, 1 pinch asafoetida, salt to taste. Method: In the first step, fry the papads. For this, you can fry them in a pan with oil or fry them without oil on the stove. The next step is to mix half a cup of water with the yogurt and whisk it well. Place the pan on the stove and add 2-3 tablespoons of oil. Heat the oil and fry the cumin seeds, asafoetida, ginger, and green chilies. Then, grind the tomatoes into a fine paste. Add the tomatoes and red chilies, turmeric, coriander powder, and kasuri methi. Fry this spice until the oil begins to separate from the water. Add 1 cup of water and salt to taste. Let the gravy simmer over low heat, and as soon as it begins to boil, add the yogurt. Remember to add the yogurt slowly, stirring constantly over low heat. This process will prevent the yogurt from curdling. After a while, add finely chopped coriander leaves. Finally, add the papad and let it cook over low heat for 2 minutes. Your papad curry is ready. Serve with rice or roti for lunch or dinner. What to keep in mind? - Avoid adding the curd to the gravy immediately after removing it from the refrigerator; add it to the curry only at room temperature. Alternatively, you can use either tomatoes or yogurt for the gravy. For a different flavor, you can also add onions along with the tomatoes.

Waste plastic bottles will transform the look of your home! Decorate your home in such a way that everyone who sees them will admire them.

This time, instead of throwing away the bottles lying around, use them in home decor. We're sure to give your home a stunning look. Ways to decorate your home with waste bottles on a budget: Make items like pen stands, vases, hanging planters, and even piggy banks and mini greenhouses. Everyone dreams of having a beautiful home, but budget constraints always get in the way. Every month, some expense prevents you from fulfilling hobbies like home decor. So, if you constantly monitor your budget for home decor, there's no need to do so this time. We're going to share a way to decorate your home on a very tight budget. Don't throw away the waste plastic bottles and waste containers lying around in your home this time; use them for home decor. Pen Stand - If you're fond of painting, make a pen stand from small cold drink bottles. Paint them with your favorite colors and designs and use them as stationery. Vases - These plastic bottles can also be made into vases. First, wash and clean the bottles and cut off the tops. Be sure to smooth the cut edges to prevent cuts. Now, create a vase by painting the outer bottle with your favorite colors and designs. A ribbon or lace would also look great. Hanging Planter - To make a hanging planter, cut oil or cold drink bottles in the middle and paint them with your favorite oil paint or acrylic color. Paint beautiful floral designs on them, or consider making a cartoon or animal face planter. Then, fill them with soil and place any plant of your choice. Piggy Bank - Clean a plastic bottle and glue pink, green, or any other colored paper on it. Then, make a coin-sized cut in it. Glue four old bottle caps to the bottom of the bottle to create legs. Glue the bottle caps firmly and paint them to create the pig's nose. Finally, create a piggy bank by making two small ears and a tail from pink paper. Mini Greenhouse - These bottles can also be used to create a mini greenhouse for a new plant. First, take a clean, transparent bottle and cut off the bottom. Then, place the soil and seeds in a small pot, water it thoroughly, and cover it with the bottle. This will help maintain moisture in the plant, promoting good growth.

Good news for Musafir Cafe fans! Will Chander spend the rest of his life with Sudha in the next season?

Viewers of the Netflix series "Musafir Cafe" have been waiting for the next installment of Sudha and Chander's story for a long time. Now, good news is coming. Recently, a beautiful and soft story titled Musafir Cafe Massey, Vedika Pinto, and roles. The series' story is book of the same name, story of Sudha, Chander, and for its second installment for makers have surprised announcement. Will Sudha first season ended on an to reports, the makers are season. The story of continue from where it left off India announced in a press "Musafir Cafe" has been comes just days after the long-standing fan demand. India, said, "Musafir Cafe everywhere. The show is with debates surrounding its characters, and music are presented correctly, it and conversations like no continue growing this genre, genre for our members. And second season of 'Musafir Cafe' will be a key part of our lineup. We're thrilled to take this story of love and longing to its next exciting stage."

was released on Netflix. Vikrant Mahima Makwana star in the lead inspired by Divya Prakash Dubey's Musafir Cafe. Viewers loved the Preeti, and they have been waiting a long time. Now, finally, the everyone with a heartwarming and Chander's story continue? The emotional note, and now, according planning something for the next Chander, Sudha, and Preeti will last season. On Tuesday, Netflix note that a second season of approved. This announcement release of the first season. It was a Tanya Bami, Series Head, Netflix has won the hearts of audiences generating a lot of discussion online, ending and future. The dialogues, rife. When the romance genre is captures a place in people's hearts other genre can. "We're excited to just as we've grown the comedy I'm delighted to announce that the

Following Ravi Kishan's viral memes, a 6-year-old song is trending on social media, with reels being created in a frenzy.

Viral memes of actor Ravi Kishan have created a buzz on social media, with his dialogues and dancing style being discussed. These memes are making a 6-year-old song viral. Actor Ravi Kishan is currently dominating social memes of the actor. Be it the song Follows My Brother," or his dancing can't do. Why is Ravi Kishan going Christopher Nolan, explaining the low Ji, and sometimes he's seen performing "Maal Legal Hai." Furthermore, Ravi home" also attracted much attention. and said that he meant to say 'work so mistakes are bound to happen. The we are going to tell you about the viral Kishan into the limelight due to these memes are going viral is called 'Ve famous Punjabi pop song 'Gucci'. It is released on October 8, 2020, under the is seen in the video - It has been more and Riyaz Ali appear in this song. It has YouTube. Now, thanks to viral memes again become a topic of discussion. original song and enjoying it. The lyrics produced by Preetinder. The song's meaning is that the singer says she doesn't need expensive shoes or big brands like Gucci; she just needs her boyfriend.

media. Instagram is flooded with viral "Koteshwarai," the phrase "Money style. There's hardly anything Ravi Kishan viral? Sometimes he becomes India's angle of the camera for a good photo of Yogi funny dance steps during the promotion of Kishan's statement about "working from Later, Ravi Kishan himself laughed at this from home' and he is also a human being, song was released 6 years ago - For now, song which has once again brought Ravi videos. The song on which Ravi Kishan's Mainu Juttiyan Di Lod Ni'. It is actually the sung by famous singer Aroob Khan. It was banner of Desi Music Factory. Aroob Khan than 6 years since its release. Aroob Khan received more than 117 million views on featuring Ravi Kishan, the song has once People are going back to listening to the for "Gucci" were written by Kaptaan and

Shreya Kalra becomes the final winner of Lock Up 2, wins a cash prize of Rs 1 crore

After weeks of competition, 'Lock Up 2' finally has its winner. She won the trophy and a cash prize of Rs 1 crore. After weeks of ups and downs, emotional confrontations, and intense competition, 'Lock Up 2' has finally Deshmukh and Farah Khan, the captivated with dramatic and shifting alliances. Who is the 2' has finally found its winner. this reality show hosted by Farah home the grand trophy in the grand trophy, Shreya also won a soon as her win was announced, congratulatory messages and Shreya a true deserving winner: user tweeted, "After carrying the deserves to win this show." Another "thoroughly deserved victory." truly deserved this win." Who winner was decided by the votes of media representatives, former contestants. According to a report and five former members voted in 23 votes. Shivangi Joshi reportedly Yogesh received only two votes from are Shreya Kalra, Shivangi Joshi, Ram Kapoor. In the recent eliminations before the final stage of 'Lock Up' season 2, Akanksha Chamola and Varun Yadav were eliminated from the show.

reached its finale. Hosted by Riteish reality show has kept viewers eliminations, surprise comebacks, winner of 'Lock Up 2'? - 'Lock Up Shreya Kalra emerged victorious in Khan and Riteish Deshmukh, taking finale. Along with the winner's whopping cash prize of ?1 crore. As fans on social media flooded her with celebrated her victory. Users called After Shreya won the trophy, one entire show on her own, Shreya truly user called Shreya's victory a Another wrote, "In my opinion, she received how many votes?The a 25-member jury, which included contestants, and eliminated in Film Window, 18 jury members favor of Shreya, giving her a total of received around 14-15 votes, while the media jury. The top five finalists Shilpa Shinde, Yogesh Rawat, and